Deg 1
History P-I

महमूद के उत्तराधिकारी

महमूद गजनवी के दो पुत्र थे - मसूद और मुहम्मद। महमूद ने अपने जीवनकाल में सम्भावित उत्तराधिकार-युद्ध को ध्यान में रखकर साम्राज्य का विभाजन दो भागों में कर दिया था। एक भाग मसूद को दिया गया और दूसरा मुहम्मद को। परन्तु महमूद की आँख बन्द होने के बाद उत्तराधिकार का युद्ध प्रारम्भ हो गया। उत्तराधिकार की लड़ाई में मसूद विजय हुआ और उसने मुहम्मद को अन्धा बनाकर कारागार में डाल दिया। मसूद ने 1030 ई० से 1040 ई० तक राज्य किया।

मसूद महत्वाकांक्षी, साहसी और युद्ध प्रिय शासक था। मसूद मदिरापान अधिक करता था। सल्जुक तुर्कों के द्वारा पराजित होने के बाद मसूद ने लाहौर में शरण ली। तुर्क और हिन्दू विद्रोहियों के द्वारा मसूद को बन्दी बनाकर मुहम्मद के हाथों सौंप दिया गया। मुहम्मद ने मसूद को मार डाला और कुछ दिनों तक अराजक स्थिति पर नियंत्रण पाकर मसूद के पुत्र मादूद ने सत्ता सम्भाल ली। मादूद स्वयं निर्बल शासक था। लगभग 9 वर्षों तक वह गजनी का शासक बना रहा। इसी बीच सल्जुक तुर्कों का आक्रमण गजनी पर होता रहा। आन्तरिक षड्यंत्र और बाह्य आक्रमण के फलस्वरूप गजनी की हालत अत्यन्त नाजुक हो गयी थी। विषम परिस्थिति में शासकों का परिवर्तन होता रहा और 1059 ई० में इब्राहिम गद्दी पर बैठा। इब्राहिम 40 वर्षों तक गजनी का —

P.T.O

सुलतान बना रहा और उसे अनेक तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। इब्राहिम की मृत्यु के बाद मसूद तृतीय शासक बना और ~~1115~~ 1115 ई० में उसकी मृत्यु हुई। मसूद तृतीय के मृत्यु के बाद पुनः उत्तराधिकार का युद्ध हुआ। इस युद्ध में अर्सलान के विरुद्ध सल्जुक तुर्की ने बहराम का साथ दिया। अर्सलान मारा गया। बहराम ने सल्जुक तुर्को की सहायता के बल पर गद्दी प्राप्त की थी। किन्तु बहराम और गौर वंश के मलिक के बीच झगड़ा हो गया और बदले की भावना से प्रेरित होकर गौरवंश के अलाउद्दीन हुसैन ने गजनी पर अधिकार कर लिया। बहराम का उत्तराधिकारी खुसरवशाह ने पंजाब में आकर शरण ली। खुसरवशाह की मृत्यु 1160 ई० में हुई। गजनी वंश के अन्तिम शासक का नाम मलिक खुसरव था जिसने मुहम्मद गोरी ने पंजाब को छीन लिया और उसकी मृत्यु 1192 ई० में मुहम्मद गोरी के कैदखाने में हुई। इस प्रकार मसूद के उत्तराधिकारियों का अन्त अत्यन्त दुखदायी रहा।